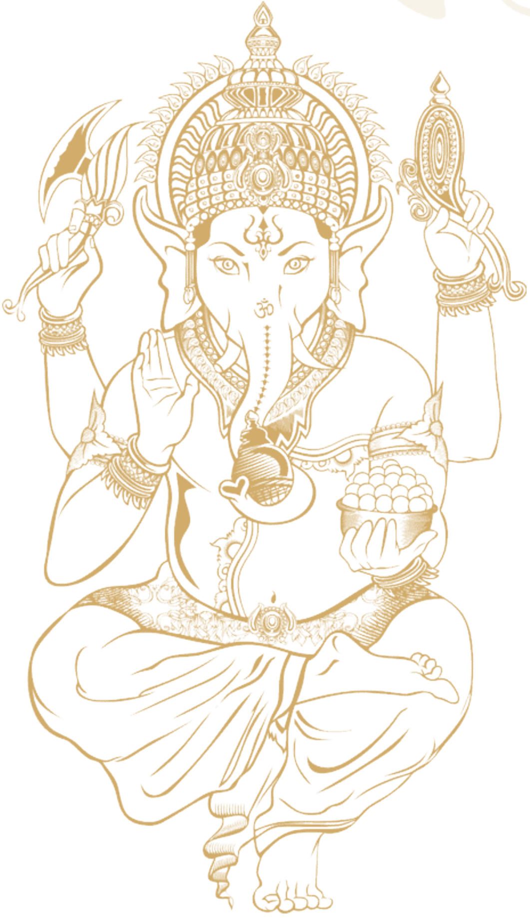

Pooja Thakur

02 Jun 1987

01:20 AM

Jubbal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121249905

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**1-02/06/1987**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**01:20:00 घंटे**
इष्ट	50:08:26 घटी
स्थान	**Jubbal**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:05:00 उत्तर
रेखांश	77:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:00:40 घंटे
वेलान्तर	00:02:20 घंटे
साम्पातिक काल	17:39:43 घंटे
सूर्योदय	05:16:37 घंटे
सूर्यास्त	19:17:45 घंटे
दिनमान	14:01:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	17:06:37 वृष
लग्न के अंश	28:50:46 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	ध्रुव
करण	बालव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डा-डाली
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	28:50:46	530:13:55	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	---
सूर्य			वृष	17:06:37	00:57:30	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	14:25:10	11:51:03	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	स्वराशि
मंगल			मिथु	13:54:54	00:38:50	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
बुध			मिथु	09:55:04	01:17:18	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	स्वराशि
गुरु			मीन	27:16:28	00:11:43	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	स्वराशि
शुक्र			मेष	24:54:34	01:12:51	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि	व		वृश्चि	24:44:06	00:04:23	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	15:37:41	00:05:55	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
केतु	व		कन्या	15:37:41	00:05:55	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	01:38:31	00:02:21	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
नेप	व		धनु	13:38:22	00:01:24	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	14:01:41	00:01:21	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			धनु	01:39:49	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:50

लग्न-चलित

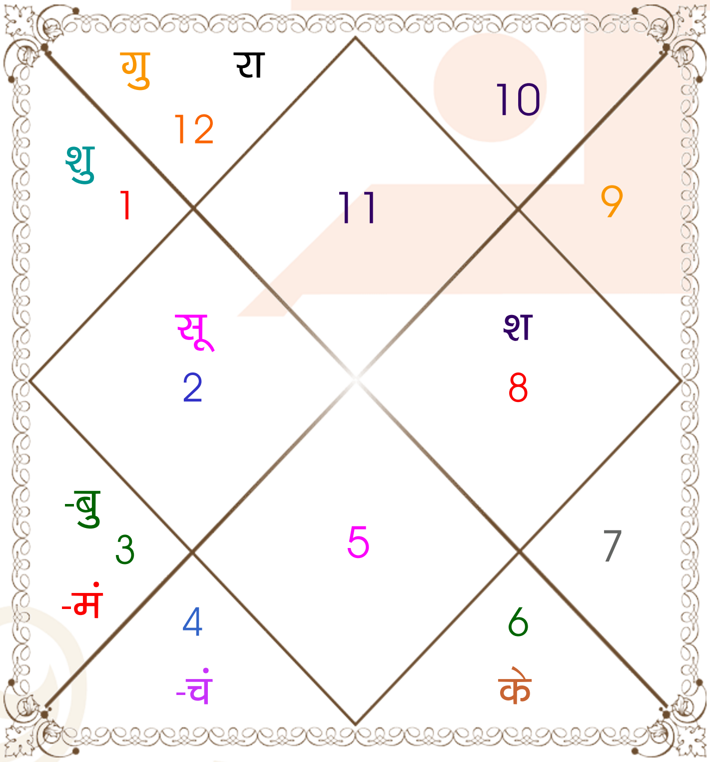

चन्द्र कुंडली

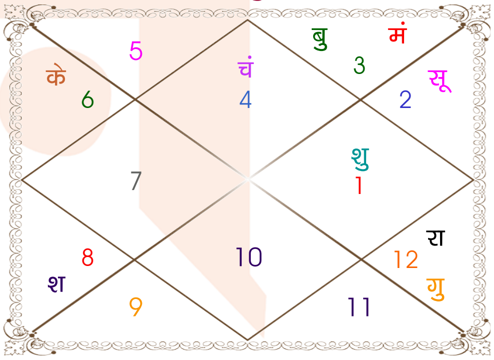

नवमांश कुंडली

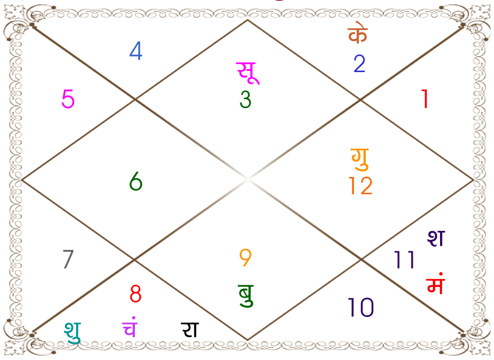

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 3 वर्ष 2 मास 12 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
02/06/1987		14/08/1990		14/08/2007		14/08/2014		14/08/2034	
14/08/1990		14/08/2007		14/08/2014		14/08/2034		14/08/2040	
	00/00/0000	बुध	10/01/1993	केतु	11/01/2008	शुक्र	14/12/2017	सूर्य	02/12/2034
	00/00/0000	केतु	07/01/1994	शुक्र	12/03/2009	सूर्य	14/12/2018	चंद्र	02/06/2035
	00/00/0000	शुक्र	07/11/1996	सूर्य	17/07/2009	चंद्र	14/08/2020	मंगल	08/10/2035
	00/00/0000	सूर्य	13/09/1997	चंद्र	16/02/2010	मंगल	14/10/2021	राहु	01/09/2036
	00/00/0000	चंद्र	13/02/1999	मंगल	15/07/2010	राहु	14/10/2024	गुरु	20/06/2037
	00/00/0000	मंगल	10/02/2000	राहु	02/08/2011	गुरु	15/06/2027	शनि	02/06/2038
	02/06/1987	राहु	29/08/2002	गुरु	08/07/2012	शनि	14/08/2030	बुध	09/04/2039
राहु	01/02/1988	गुरु	04/12/2004	शनि	17/08/2013	बुध	14/06/2033	केतु	14/08/2039
गुरु	14/08/1990	शनि	14/08/2007	बुध	14/08/2014	केतु	14/08/2034	शुक्र	14/08/2040

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
14/08/2040		14/08/2050		14/08/2057		14/08/2075		14/08/2091	
14/08/2050		14/08/2057		14/08/2075		14/08/2091		00/00/0000	
चंद्र	14/06/2041	मंगल	10/01/2051	राहु	26/04/2060	गुरु	02/10/2077	शनि	17/08/2094
मंगल	13/01/2042	राहु	29/01/2052	गुरु	20/09/2062	शनि	14/04/2080	बुध	26/04/2097
राहु	15/07/2043	गुरु	04/01/2053	शनि	27/07/2065	बुध	21/07/2082	केतु	05/06/2098
गुरु	13/11/2044	शनि	13/02/2054	बुध	13/02/2068	केतु	27/06/2083	शुक्र	06/08/2101
शनि	14/06/2046	बुध	10/02/2055	केतु	03/03/2069	शुक्र	25/02/2086	सूर्य	19/07/2102
बुध	14/11/2047	केतु	09/07/2055	शुक्र	02/03/2072	सूर्य	14/12/2086	चंद्र	17/02/2104
केतु	14/06/2048	शुक्र	07/09/2056	सूर्य	25/01/2073	चंद्र	14/04/2088	मंगल	28/03/2105
शुक्र	13/02/2050	सूर्य	13/01/2057	चंद्र	27/07/2074	मंगल	21/03/2089	राहु	03/06/2107
सूर्य	14/08/2050	चंद्र	14/08/2057	मंगल	14/08/2075	राहु	14/08/2091		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 3 वर्ष 2 मा 12 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस लग्नादिक समन्वय स्थिति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रारूप चमत्कृत नियमावली में अंकित है। आपका जीवन गप-शप एवं सुखद वातावरण में व्यतीत होगा तथा आप पर्याप्त धन-दौलत से युक्त संपन्न एवं आपका घर-परिवार प्रसन्न रहेंगे।

आप धनोपार्जन की कलाकार एवं मास्टर हैं। आप दूसरे के साथ उदार भावनाओं से युक्त सहायता करने वाली हैं। आप शीघ्रता पूर्वक पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर उसे सुरक्षित कर सकेंगी। आप निश्चित रूप से आलसी नहीं है। आप महत्वपूर्ण विषयों का गहनतापूर्वक अध्ययन कर उस कार्यक्रम को विकसित करने के प्रति रूचिवान रहेंगी। आप धर्म दर्शन शास्त्र का सदैव अध्ययन कर सकेंगी। आपके लिए कार्य-व्यवसायों में अनुकूल धार्मिक एवं दार्शनिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, भाषा ज्ञान का कार्य शैक्षणिक कार्य एवं राजनीति के कार्य लाभदायक पथ हैं। आप इन चिह्नित कार्य-व्यवसायों में से कोई भी कार्य व्यवसायों का चयन कर सकती हैं।

आप वास्तव में उच्च स्तरीय विषयों पर चिंतन करने से दिलचस्पी रखती हो। आप मृत्यु के पश्चात जीवन की क्या गति होती है। इसके संबंध में ज्ञान प्राप्त करना चाहती हो। आप यदा-कदा ऐसा सोचती है कि सभी कुछ को त्याग कर जीवन दर्शन की ध्यान साधना करें।

अन्यथा आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में अत्यंत व्यस्त रहने वाली व्यवस्थित प्राणी हैं। आप भीड़-भाड़ से बच कर सिर के बल सर्वप्रथम प्रमुख विषयों का अध्ययन कर अपनी कार्य योजना को विकसित करने की कार्य शैली पर विचार करती हो दूसरी बात यह है कि आप अपने पक्ष में उत्कृष्ट पहुंच प्राप्त करने के लिए सामर्थ्यवान है। आप विधि पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने हेतु सक्षम प्राणी हैं।

परंतु आपके सभी समर्पित कार्य विश्वसनीयता के माध्यम से संचालित होता है। बल्कि आप धनोपार्जन हेतु कोई गलत ढंग मार्ग या पहुंच नहीं चाहती। आप दूसरों के माध्यम से उपर्युक्त विषयों के संबंध में (खुलम खुल्ला) प्रत्यक्ष रूप से अव्यवस्थित मूल्यांकन करना नहीं चाहती। आपसे संबंधित कुछ मित्र विजय श्री प्राप्त करना चाहते हैं। परंतु आपको सतर्क रहना चाहिए। आप अत्यंत सावधान रह कर, अपने निकट संबंधियों का ध्यान रखें, क्योंकि कुछ लोग आपकी योजना के प्रति धोखा-धड़ी करके आपकी सफलता को अवरूद्ध कर स्वयं आगे निकल जाएं।

जहां तक आपके समक्ष स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं बिल्कुल ठीक है। परंतु आयु की वृद्धि के साथ-साथ कतिपय रोगादि सामान्य कुप्रभाव डाल सकते हैं, जिसके आधार पर आपको अधिक चिंताग्रस्त बना सकता है। अतः आप रक्तचाप, मिरगी, जॉनडिस, ट्यूमर आदि रोगों के प्रति समय-समय पर अपने चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा। आपके उत्तम घरेलू वातावरण के प्रभाव से भी आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप अपने गृहस्थाश्रम के

संबंध में भाग्यशाली हैं, क्योंकि आपके जीवन में बुद्धिमान पति एवं समझदार पुत्र आपके आनंददायक जीवन में सहायक होंगे।

ऐसा संदेह है कि आप प्रतिष्ठित महिला हैं अथवा नहीं? आप एक अत्यंत समृद्धिशाली महिला के समान धनी हो जाओगी। परंतु कुछ समय के बाद आप आवश्यकता के अनुरूप अपने को बना लेंगे। आप में एक परिश्रमी कार्य कर्त्ता के गुण विद्यमान हैं तथा आप धैर्यपूर्वक किसी कार्य के परिणाम की प्रतीक्षा करती हैं। सब कुछ के बाद आप धन को ही प्राथमिकता नहीं देती तथा निरंतर इसके पीछे नहीं पड़ी रहती हैं। परंतु मात्र सांसारिक आवश्यकता हेतु आवश्यक है।

आप सदैव अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक पर भरोसा रख सकती हैं तथा इस अंक की प्रधानता देते हुए इसका व्यवहार अपने जीवन में कर सकती है क्योंकि ये अंक आपके लिए हितकर है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु नारंगी, नीला एवं हरा रंग आपके लिए प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शनिवार एवं शुक्रवार का दिन लाभदायक है। परंतु शेष सोमवार, मंगलवार एवं रविवार, का दिन अव्यवहारणीय है।